महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान - म.प्र.

पहल

ई–समाचार पत्र (मासिक) – तेहत्तरवां संस्करण (माह फरवरी, 2022)

➔ "पहल" के इस संस्करण में .....

1. अपनी बात ....
2. माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत हितग्राहियों की स्वीकृती एवं खातें मे प्रथम किश्त अंतरित
3. जल जीवन मिशन से ग्रामीणजनों को दिखाई दे रही है उम्मीद की किरण
4. मध्यप्रदेश में ग्राम "गौरव दिवस" की शुरूआत
5. नल–जल योजनान्तर्गत स्व–सहायता समूह के सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
6. समूह से स्वरोजगार
7. बबरिया तालाब क बदली तस्वीर
8. स्व–सहायता समूह द्वारा किए गए सराहनीय कार्य
9. जल प्रदाय योजनाएं बेहतर क्रियान्वित होंगी और लंबे समय तक उपयोग की जा सकेगी
10. फिल्म निर्माण हेतु प्रस्तावित मनरेगा से निर्मित उत्कृष्ट हितग्राही मूलक पौधा रोपण कार्य

प्रकाशन समिति

संरक्षक एवं सलाहकार
श्री उमाकांत उमराव (IAS)
प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

प्रधान संपादक
श्री संजय कुमार सराफ,
संचालक,
महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास
एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर

सह संपादक
श्रीमती सुनीता चौबे,
उप संचालक, म.गां.रा.ग्रा.वि.पं.रा.स.–म.प्र., जबलपुर

ई–न्यूज के सम्बन्ध में अपने फीडबैक एवं आलेख छपवाने हेतु कृपया इस पते पर मेल करें–mgsirdpahal@gmail.com
Our official Website : www.mgsird.org, Phone : 0761-2681450 Fax : 761-2681870
Designed & Developed By : Mr. Jay Kumar Shrivastava, Programmer, MGSIRD&PR, JABALPUR

अपनी बात...

''पहल'' मासिक ई–न्यूज लेटर का तेहत्तरवां संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है, जो वर्ष 2022 का द्वितीय मासिक संस्करण है।

इस संस्करण में दिनांक 28 जनवरी 2022 को राजधानी भोपाल के कुशाभाउ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत नवीन आवासों के लिए 3 लाख 50 हजार हितग्राहियों को स्वीकृती एवं उनके खातें मे पहली किश्त के 875 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई एवं विभिन्न हितग्राहियों से वर्चुअली संवाद भी किया और प्रतीक स्वरूप 5 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति–पत्र प्रदान किए, जिसे **''माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत नवीन आवासों हेतु हितग्राहियों की स्वीकृती एवं उनके खातें मे प्रथम किश्त सिंगल क्लिक से अंतरित''** एवं साथ ही नर्मदा जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सपरिवार अपने पैतृक गांव जैत पहुॅचे। ग्राम जैत से ग्राम ''गौरव दिवस'' के रूप में ग्राम स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया, जिसे **''मध्यप्रदेश में ग्राम ''गौरव दिवस'' की शुरूआत''** समाचार आलेख के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

इसके साथ–साथ **''जल जीवन मिशन से ग्राम कारापाठा जिला सिवनी, मध्यप्रदेश के ग्रामीणजनों को दिखाई दे रही है उम्मीद की किरण''**, **''मध्यप्रदेश में ग्राम 'गौरव दिवस' की शुरूआत''**, **''नल–जल योजनान्तर्गत स्व–सहायता समूह के सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण''**, **''समूह से स्वरोजगार बबरिया तालाब क बदली तस्वीर''**, **''स्व–सहायता समूह द्वारा किए गए सराहनीय कार्य''**, **''जल प्रदाय योजनाएं बेहतर क्रियान्वित होंगी और लंबे समय तक उपयोग की जा सकेगी''** एवं **''फिल्म निर्माण हेतु प्रस्तावित मनरेगा से निर्मित उत्कृष्ट हितग्राही मूलक पौधा रोपण कार्य''** आदि आलेखों को शामिल किया गया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'पहल' का यह संस्करण आपको अत्यंत रूचिकर, नवीन उपयोगी एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

संजय कुमार सराफ
संचालक

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत नवीन आवासों हेतु हितग्राहियों की स्वीकृती एवं उनके खातें मे प्रथम किश्त सिंगल क्लिक से अंतरित

दिनांक 28 जनवरी 2022 को राजधानी भोपाल के कुशाभाउ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत नवीन आवासों के लिए 3 लाख 50 हजार हितग्राहियों को स्वीकृती एवं उनके खातें मे पहली किश्त के 875 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई एवं विभिन्न हितग्राहियों से वर्चुअली संवाद भी किया और प्रतीक स्वरूप 5 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति–पत्र प्रदान किए। इस कार्यक्रम में जल–संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया तथा प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्री उमाकांत उमराव एवं संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण सुश्री तन्वी सुन्द्रियाल भी उपस्थित रहे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल सतना से वर्चुअली इस कार्यक्रम मे सम्मिलित हुए इसके अतिरिक्त प्रदेश के सभी जिलों ने वर्चुअली इस कार्यक्रम मे सहभागिता दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी द्वारा निम्न बातें प्रमुखता से कही गई।

1. **भवन निर्माण साम्रगी उचित दर पर मिले :–** हितग्राहियों से संवाद मे मुख्यमंत्री जी द्वारा कहा गया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि हितग्राहियों को मिलने वाली किश्तें समय पर मिले एवं इसमें किसी प्रकार का विलंब न हों साथ ही उन्होनें कहा कि निर्माण सामग्री उचित दरों पर कैसे मिल सकती है यह भी अधिकारी सुनिश्चित करें।
2. **छतरपुर की श्रीमति मुन्नी बाई के साहस की सराहना की :–** मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा छतरपुर की दिव्यांग महिला श्रीमति मुन्नी बाई के साहस की सराहना करते हुए कहा कि वे कई लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होनें एक हाथ कटा होने पर भी हिम्मत नही हारी और अपने एवं अपने परिवार के

जीवन मे बेहतरी के लिए निरंतर संघर्षरत् रही। मुख्यमंत्री जी द्वारा श्रीमति मुन्नी बाई के इलाज के लिए कलेक्टर छतरपुर को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि राज्य शासन उनके इलाज का संपूर्ण खर्च वहन करेगा।

3. **प्रत्येक गांव, कस्बे अथवा शहर का जन्मदिन मनाया जाए :–** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम सभी अपने गॉव, कस्बें, शहर का साल मे एक दिन वैसे ही जन्मदिन मनाएँ जैसे हम अपना जन्मदिन मनाते है। गॉव मे जन्मे सभी लोग जन्मदिवस पर एकत्र हों और अपनी जन्मभूमि के विकास की रूपरेखा तय करें।

4. **फलाय ऐश से ईट बनाने की निर्माण इकाई को प्रदान किया स्वीकृति–पत्र :–** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने झाबुआ के श्री तेर सिंह कालू, बालाघाट की श्रीमति पुष्पा डोंगरे, राजगढ की श्रीमति दीपाबाई, कटनी की श्रीमति निराशा बाई और सागर के श्री पुन्नी से भी वर्चुअली बातचीत की। श्री चौहान ने संवाद में कहा कि एक गॉव में बनने वाले मकानों के लिए निर्माण सामग्री यदि एक साथ क्रय की जाए तो इससे निर्माण साम्रगी का मूल्य कम आएगा और मकानों के निर्माण की लागत में कमी संभव होगी। इस संबंध में निर्माण सामग्री निर्माता कंपनियों से भी बातचीत की जा सकती है।

इस अवसर पर बैतूल जिलें के भैंसदेही विकासखंड के ग्राम पंचायत भीकुंड के जमुना स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमति दुर्गा कंगाले को फलाय ऐश से ईट निर्माण इकाई का स्वीकृति–पत्र भी प्रदान किया गया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने स्वागत उद्बोधन तथा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा सतना से वर्चुअली सम्मिलित हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल ने आभार व्यक्त किया।

नीलेश कुमार राय
संकाय सदस्य

जल जीवन मिशन से ग्राम कारापाठा जिला सिवनी, मध्यप्रदेश के ग्रामीणजनों को दिखाई दे रही है उम्मीद की किरण

बिन पानी सब सून

रहीम के दोहे ''रहिमन पानी राखिये ,बिन पानी सब सून। पानी गये न उबरे,मोती मानुष चून'' में पानी का महत्व बताया गया है। वास्तव में देखा जाए तो जल ही जीवन है। जल हमें यह प्रकृति के द्वारा दिया गया उपहार है, पेड़–पौधें जीव जंतुओं, जानवरों, मनुष्यों और प्रकृति पर्यावरण इन सभी को जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जीवन के सभी कार्यो का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है।

01 प्रतिशत पानी ही मानव उपयोग हेतु उपलब्ध

देश के ग्रामीण अंचल में जल प्राप्ति के साधन के रूप में नदी, तालाब, कुँआ और बावडी ही रहे हैं। हमेशा यही देखा गया है कि ग्रामीण माताओं, बहिनों को इन पेयजल स्रोतों से जल लाकर परिवार की जरूरत पूरी करनी पड़ती थी।

पूरे वि''व में धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है किंतु इसमें 97 प्रति''ात जलधारा है जो कि पीने योग्य नहीं है। पीने योग्य पानी की मात्रा मात्र 03 प्रति''ात है इसमें भी 02 प्रति''ात पानी ग्लेि''ायर एवं बर्फ के रूप में है इस प्रकार सहीं मायने में मात्र 01 प्रति''ात पानी ही मानव उपयोग हेतु उपलब्ध है।

ग्राम कारापाठा जिला सिवनी, मध्यप्रदेश में जल संकट की समस्या

मध्यप्रदेश के सिवनी जिला में स्थित कारापाठा गांव के लोगों को कई दशकों से जल संकट की स्थिती का सामना करना पड़ रहा था। गर्मियों के दिनों में यहां पर जल संकट बहुत विकराल रूप में दिखाई देता था। इस गांव में रहने वाले लोगों ने वर्ष 2018 तक के जल की जरूरतों को पूरा करने के लिये हर दिन संघर्ष किया है।

गांव के हेण्डपंप और कुँआ से सभी ग्रामीणों की जल की जरूरतें होती थी गर्मी के मौसम में भू–जल के स्तर में गिरावट के चलते स्थिती गंभीर हो जाती थी ,पानी की समस्या के कारण गांव के लोगों का जीवन अंधकार में हो गया था यहां तक कि पेयजल को लेकर आये दिन बहु बेटियों एवं बुजुर्ग महिलाओं को जल की खोज में लंबी दूरी तय करने के लिये मजबूर होना पड़ता था जिसके कारण महिलाओं की प्रतिष्ठा की समस्या बनी रहती थी। जाने–अनजाने में दूषित पेयजल के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियों के चलते ही लोगों की कमाई का आधा हिस्सा डॉक्टर के पास चला जाता था जिससे उनकी आर्थिक व्यवस्था डगमगा जाती थी।

आशा की एक किरण जल जीवन मिशन

जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन, पारंपरिक और अन्य जल निकायों का नवीनीकरण, पानी का पुनः उपयोग और संरचनाओं का पुर्नभरण, जल विभाजन प्रबंधन और सघन वनरोपण इन सभी समस्याओं का समाधान व नवाचार करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन मिशन **(हर घर नल से जल)** 15 अगस्त 2019 को भारत सरकार द्वारा घोषणा की गयी ताकि कि वर्ष 2024 तक हर घर में पाइप लाइन से शुद्ध पानी पहुँच सके।

ग्राम कारापाठा में सहभागिता से जल कार्य योजना तैयार

कारापाठा गांव की जल समस्या को लेकर और ''जल जीवन मिशन'' को सफल बनाने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों और जल जीवन मिशन आईएसए संस्था के साथ सोसायटी फार एंटरप्रेन्योरशिप इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट के जिला प्रोजेक्ट मैनेजर श्री घमेन्द्र मिश्रा जी के मार्गदर्शन पर आईएसए विलेज फेसिलेटर बालकराम डहेरिया के सहयोग से ग्राम कार्ययोजना तैयार करने के साथ ग्राम सभा में इस योजना को मंजूरी दी गयी और इस पर विचार करने और कार्यन्ववयन के लिये इस जिला प्रशासन में प्रस्तुत किया गया।

ग्राम सभा सिर्फ घरों के लिये हीं नहीं बनायी गयी बल्कि यहॉ के स्कूल ऑगनबाड़ी केन्द्रों को पाइप लाइन से जोड़ा गया है इन केन्द्रों में भी भरपूर पानी है सिर्फ पानी पहुॅचाना ही **जल जीवन मिशन** का लक्ष्य नहीं है बल्कि जन को योजना से जोड़ा गया।

आइएसए विलेज फेसिलेटर बालकराम डहेरिया से स्वप्रेरित गांव के लोग भी योजना के क्रियान्वयन, प्रबंधन ,संचालन और रख–*रखाव में* महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और जल समिति के द्वारा प्रतिमाह नल कर की राशि समिति के खाते में जमा की जा रही है,**''जीवन की सुगमता''** के लिये

समुदाय जल समाधान के कारण ग्रामीणों में कर और अंशदान देने में उत्सुक है। **दूरिया कम और मंजिल पास हुयी हैं, गांव में खुशियाली छाई है क्योंकि नल**

से जल की धारा अब घर–घर तक आयी है। जल जीवन मिशन से ग्रामीण माताओं– बहिनों को सुविधा सुरक्षा एवं सम्मान मिल रहा है।

जल गुणवत्ता और महिला समिति की भूमिका

जल गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिये विलेज वाटर सेनिटेशन कमेटी बनायी गयी जिसे आईएसए विलेज फेंसीलेटर बालकराम डहेरिया द्वारा इंटीग्रेटेड वाटर फील्ड टेस्टिंग किट से महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया, अब ये समिति पानी की गुणवत्ता की जांच खुद ही कर लेती है।

समय –समय में पानी की जांच से शुद्ध पेयजल का पता चल जाता है और उसके समाधान के लिये तुरंत उपचार किया जाने लगा जिसके कारण अब **दूषित पानी से होने वाली बीमारियॉ जैसे–पेट रोग, पीलिया ,हैजा, दस्त, चर्मरोग, टाइफाइड, बुखार** से राहत मिलने लगी है जिससे गांव के लोगों की आर्थिक स्थिती मजबूत होने लगी है साथ ही हर घर में नल से जल के पहुॅचने से महिला मर्यादा पर जल जीवन मिशन ने सम्मान दिया है।

घर–घर जल से महिलाओं को सुकून

वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन की शुरूआत के साथ कारापाठा गांव के लोगों को आशा की एक

किरण दिखाई दी। इस ग्राम में रहने वाली श्रीमती विमला बाई का कहना है कि जल जीवन मिशन हमारे लिये वरदान है जब मेरा पैर फैक्चर हुआ तो नल कनेक्शन के कारण ही घर बैठे पानी की समस्या से छुटकारा मिला और मेरे बच्चे भी समय में स्कूल और पति पुरूषोत्तम दास अपने कार्य में चले जाते हैं। आईएसए विलेज फेसिलेटर से प्रेरित होकर इन्होंने दूषित पानी का उपयोग बाड़ी में क्यारी (मॉ की बगिया) में सब्जी भाजी लगाया और वर्षा का पानी एवं छत के पानी को रोकने के लिये सोखपिट बनवाये।

व्यवहारिक बदलाव की पहल

जल जीवन मिशन आइएसए संस्था के जिला प्रोजेक्ट मैनेजर श्री धमेन्द्र मिश्रा जी से प्रेरित विलेज फेसिलेटर बालकराम डहेरया द्वारा गांव के स्वप्रेरित व्यक्तियों से मिलकर जल जीवन मिशन को सफल बनाने और जल स्रोतों को स्थिर बनाने के लिये अपशिष्ट जल प्रबंधन,जल संरक्षण व वर्षा जल संचयन और वाटर सेड प्रबंधन जैसी गतिविधियों को करने के लिये ग्रामीण सहभागी आकलन से लोगों में व्यवहारिक और मानसिक परिवर्तन कर मिशन को जल आंदोलन में परिवर्तित किया जा रहा है।

संपूर्ण स्वच्छता को लेकर विलेज फेसिलेटर बालकराम डहेरिया ने बताया कि, स्वच्छता एक चुनौती है, शौचालय होने के बाद भी अधिकांश लोग शौच के लिये खुले स्थान में जाया करते है जिनके कारण उनके स्वास्थ्य गरिमा और गरीबी में गंभीर प्रभाव पड़ता है। स्वच्छता की शुरूआत स्वयं के मन विचार और पवित्रता के साथ होती है, लोगों मे महिला सम्मान ,मल की मुख्य तक की यात्रा, धार्मिक पवित्रता और गरीबी का कुप्रभाव इत्यादि।

''ग्रामीण सहभागी आकलन'' से ग्रामीणों को मानसिक एवं व्यवहारिक परिवर्तन कर उनके अंदर घृणा और शर्म से दूषित जल एवं अस्वच्छता को स्थानीय और सामाजिक मुद्दा से काफी हद तक बदलाव आया है ।

ग्राम करापाठा में किये गये अनोखे प्रयास

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के ग्राम कारापाठा गांव में जल समस्या को सुलझाने का प्रयास शासन के ''जल जीवन मिशन'' के माध्यम से किये गये। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों, जल जीवन मिशन, आईएसए संस्था, सोसायटी फार एंटरप्रेन्योरशिप इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट के संयुक्त प्रयासों से कारापाठ गांव में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता बढ़ी है।

श्री घमेन्द्र मिश्रा, जिला प्रोजेक्ट मैनेजर, सोसायटी फार एंटरप्रेन्योरशिप इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट के मार्गदर्शन से **''ग्रामीण सहभागी आकलन''** तकनीक का उपयोग करते हुये योजना तैयार की गई। यहां पर ग्रामीणों में मानसिक एवं व्यवहारिक परिवर्तन के अनोखे प्रयास किये गये। जिससे ग्रामवासियों में सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है।

डॉ. संजय कुमार राजपूत
संकाय सदस्य

मध्यप्रदेश में ग्राम ''गौरव दिवस'' की शुरूआत

जैत ग्राम से ग्राम ''गौरव दिवस'' का शुभारंभ

नर्मदा जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सपरिवार अपने पैतृक गांव जैत पहुॅचे। ग्राम जैत से ग्राम ''गौरव दिवस'' के रूप में ग्राम स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।

मुख्य मंत्री जी द्वारा ग्राम ''गौरव दिवस'' के अवसर पर जैत ग्राम में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। ग्राम के वृद्धजनों का शाल पहनाकर और पुष्प गुच्छा प्रदान कर स्वागत किया। ग्राम स्थापना दिवस के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ''मेरा विचार था कि गांव का भी जन्मदिन मनाया जाना चाहिए जिसकी शुरुआत मैं अपने गांव से कर रहा हूं मैं इसी ग्राम का बेटा हूं। ये गांव आप सभी का है इसलिए इसके विकास के लिए भी आपको आगे आना होगा।

अपने उद्‌बोधन में मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर कहा कि, सरकार सिर्फ विकास काम करेगी, आप उसकी रूपरेखा बनाएं। गांव को स्वच्छ रखने के लिए आप सभी कचरा सिर्फ डस्टबिन में ही फेंके। पर्यावरण को संतुलित बनाने के लिए सीएम ने गांव वालों से पौधरोपण करने की अपील की। सड़कों, खेतों और घरों के

आसपास पौधे लगाएं, ताकि पर्यावरण को बेहतर किया जा सके। वहीं उन्होंने लोगों से घरों को एक से रंग में रंगने और एक से घर बनाने की बात भी कही।

ग्राम ''गौरव दिवस'' के अवसर पर मुख्यमंत्री जी द्वारा ग्राम जैत के आंगनवाड़ी केंद्र के साथ–साथ ग्राम के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन किया और ग्रामीणों से मुलाकात की गई। इस अवसर पर जैत ग्राम के ग्रामीणजन बहुत ही प्रसन्न व उत्साहित थे। गांव के बेटे शिवराज के स्वागत के लिए जैत वासियों ने गलियों को लिपाई–पुताई कर उन्हें फूलों से सजाया था। मुख्यमंत्री जी ने ग्रामीणों से उनके सुख दुख की जानकारी ली। मुख्यमंत्री जी जैत ग्राम में ग्राम स्थापना दिवस के अवसर पर सदस्य के रूप में उपस्थित हुए।

ग्राम ''गौरव दिवस'' अभिनव उपक्रम

प्राचीन काल से ही ग्राम संगठित शक्ति का एक केंद्र बिन्दु रहा है। प्रेम, सद्भाव, समरसता और सहकार ग्रामीण जीवन के मूलतत्व है। अपने खूबसूरत इतिहास, परंपराओं के कारण प्रत्येक गांव की एक विशिष्ट पहचान होती है। अपनी संस्कृति, धरोहर और विशिष्टताओं के प्रति गौरव की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से शासन द्वारा ग्राम पंचायतों के प्रत्येक ग्राम में ग्राम **''गौरव दिवस''** मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। ग्रामों की समृद्धि और उसके अभ्युदय का यह एक अभिनव उपक्रम है।

ग्राम ''गौरव दिवस'' मनाने के उद्देश्य

(1) प्रत्येक ग्राम की एक सकारात्मक एक विशिष्ट पहचान स्थापित करना।

(2) ग्राम के समुदाय में समन्वय एवं सकारात्मक भाव पैदा करते हुए ग्राम के विकास और कल्याण हेतु सामूहिक प्रयास सुनिश्चित करना।

(3) ग्राम के विकास और कल्याण के लिए सर्व भागीदारी से दूरगामी विकास एवं कल्याण की रणनीति तैयार करना।

(4) ग्रामों में पारम्परिक सृजनात्मक कला के पारस्परिक ज्ञान आदि का अभिलेखीकरण करना तथा उसमें विकास और बढोतरी करना।

(5) ग्राम के बाहर ग्राम की जिले, प्रदेश एवं राष्ट्र स्तर पर एक विशिष्ट पहचान स्थापित करना।

(6) ग्राम से संबंधित विभूतियां जो पूर्व में हुई हैं तथा वर्तमान में ग्राम से संबंधित सफल एवं अनुकरणीय व्यक्तियों की जानकारी एकत्रित करना व ग्राम से संबंधित ऐसे व्यक्ति जो ग्राम से बाहर रहते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सफल व अनुकरणीय हैं उनको गांव के विकास एवं कल्याण से जोडना, उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना व ग्राम की सकारात्मक एवं विशिष्ट पहचान स्थापित करने में सहयोग लेना।

(7) विभिन्न ग्रामों में बंधुत्व, विकास, कल्याण एवं मानवीय मूल्यों के मापदण्डों पर आपसी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा स्थापित करना।

(8) ग्राम के पारंपरिक खेल, नृत्य, गायन, भोजन, कृषि यंत्र एवं बाद्य यंत्रों आदि को चिन्हित करना व उनके प्रयोग एवं उपयोगिता को सामयिक बनाना तथा बढ़ावा देना।

ग्राम ''गौरव दिवस'' मनाने की रणनीति

(1) गांव के बसने से संबंधित इतिहास पता करना।

(2) गांव के मूल विरासत से जुडी जानकारी एकत्रित करना।

(3) गांव में पूर्व की विभूतियों के बारे में जानकारी एकत्रित करना।

(4) गांवों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों के सफल व्यक्तियों की पहचान की जानकारी एकत्रित करना।

(5) ग्राम के संसाधनों व संभावनाओं की सूची बनाना।

(6) ग्रामों में पारम्परिक सृजनात्मक कला के पारस्परिक ज्ञान आदि का अभिलेखीकरण करना तथा उसमें विकास और बढ़ोत्तरी करना।

(7) पूजनीय, दर्शनीय, सम्मानीय स्थलों को चिन्हित करना।

(8) वातावरण को उत्साहवर्धक एवं आनंददायक बनाने के लिए कार्यक्रम के प्रारंभ में पारम्परिक संगीत, खेल, भोज आदि का आयोजन करना।

(9) बुजुर्गों व क्षेत्र के सफल व्यक्तियों का सम्मान करना व उनके विचार सुनना।

(10) आर्थिक विकास की रणनीति तैयार करना।

(11) विकास, ज्ञान, कला व सामाजिक मूल्यों के आधार पर भविष्य के लक्ष्य एवं रणनीति तैयार करना।

कार्यक्रम के आयोजन हेतु मुख्य निर्देश

(1) सर्वप्रथम प्रत्येक जिले से दो एवं प्रति जनपद से तीन मास्टर ट्रेनर का चिन्हांकन किया जाये। इन्हें राज्य स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाकर कार्यक्रम की मूल अवधारणा को सही तरीके से पहुॅचाया जायेगा।

(2) तैयार मास्टर ट्रेनर द्वारा क्लस्टर स्तर पर प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसमें पंचायतों के प्रशासकीय समिति के सदस्य, ग्राम पंचायत के शिक्षक, सचिव, रोजगार सहायक एवं अन्य लोग शामिल हो सकते हैं।

(3) उन्मुखीकरण कार्यक्रम के पश्चात् चरणबद्ध रूप से सभी ग्रामों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जायेगा। प्रथम चरण में प्रत्येक जिले के बड़े व महत्वपूर्ण गांव में इन ग्रामसभाओं का आयोजन किया जायेगा। तत्पश्चात क्रमशः अन्य सभी ग्रामों में इन ग्रामसभाओं का आयोजन किया जायेगा। इन ग्राम

सभाओं के पर्यवेक्षण हेतु जिले से नोडल अधिकारी नामांकित किये जायेंगे। विशेष रूप से प्रथम चरण के ग्रामों में जिले के वरिष्ठ अधिकारी नामांकित किये जायेंगे। सभी ग्रामों में ग्राम सभा आयोजित करने का कार्यक्रम जिले स्तर से तैयार किया जायेगा, जिसका व्यापक रूप से प्रचार–प्रसार किया जायेगा। दिनांक 14 अप्रेल 2022 तक सभी ग्रामों में इन ग्रामसभाओं को सम्पन्न कर ग्राम ''गौरव दिवस'' तय कर लिया जायेगा।

(4) ग्राम सभा द्वारा कोई एक निश्चित दिवस को ग्राम ''गौरव दिवस'' के रूप में मान्य किया जावेगा। ग्राम सभा सर्वसम्मती से गांव के किसी ऐतिहासिक दिवस को, गांव के किसी महापुरूष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अथवा राष्ट्रीय/ अर्न्तराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध पुरूष/ महिला के जन्म दिवस को अथवा ग्राम की परम्परा में स्थापित किसी खास दिवस को ग्राम ''गौरव दिवस'' के रूप में मान्य किया जा सकता है।

(5) गांव के ऐसे सफल और अनुकरणीय व्यक्ति जो ग्राम से बाहर रहते हैं उनको इस ग्राम सभा में शामिल होने के लिये आमंत्रण पत्र भेजा जायेगा। इस हेतु जिले स्तर पर आमंत्रण पत्र का एक मानक प्रारूप तैयार किया जायेगा।

(6) ग्रामसभा हेतु किसी सम्मानीय जनों को सम्मानित किया जायेगा।

(7) आगामी वर्षो में ग्राम पंचायत कि विकास हेतु रणनीति तैयार की जावेगी। विकास, कला, ज्ञान व सामाजिक मूल्यों के मापदण्डों के आधार पर व्यवहारिक रूप से पूर्ण हो सकने वाली भविष्य के लक्ष्य तैयार किये जावेंगे।

(8) पुराने अभिलेखों / गजेटियर / बीसीएनवी तथा तहसील के अभिलेख के माध्यम से ग्राम पंचायत का गजेटियर भी विकसित किया जायेगा।

(9) उक्त कार्यक्रम की समस्त गतिविधियों का दस्तावेजीकरण किया जायेगा एवं पंचायतों द्वारा ''पंचायत दर्पण'' पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा।

उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त कार्यक्रम की मूल अवधारणा को व्यक्त करने वाली अन्य गतिविधियों को भी शमिल किया जा सकता है।

(संदर्भ : इस विषय पर दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित न्यूज, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मंत्रालय, भोपाल परिपत्र क्रमांक/पंचा.राज/ पंचा. / ग्राम गौरव दिवस/ 22/ 1576, भोपाल, दिनांक 06–02–2022)

डॉ. संजय कुमार राजपूत
संकाय सदस्य

नल–जल योजनान्तर्गत स्व–सहायता समूह के सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर में नल–जल योजनान्तर्गत स्व सहायता समूह के सदस्यों के प्रषिक्षण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण दि. 03 से 05 फरवरी 2022 तक 03 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें इन्दौर संभाग इन्दौर के 105 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा के अधिकारी, एडीईओ, पीसीओ, एन आर एल एम के अधिकारी, सीआरपी एवं एमआरपी ने भाग लिया ।

प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ संचालक महोदय श्री संजय कुमार सराफ, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान जबलपुर द्वारा मॉ सरस्वती को माल्याअर्पण एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। संचालक महोदय द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य, महत्व, जीवन में जल की उपयोगिता पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

स्वागत उद्बोधन संयुक्त आयुक्त महोदय श्री प्रतीक सोनवलकर द्वारा कर सभी प्रतिभागियों का परिचय लिया गया एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए 03 दिवसीय प्रशिक्षण की रूपरेखा पर चर्चा की गई ।

श्री सोलंकी मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग इन्दौर द्वारा नल–जल योजना के क्रियान्वयन, संचालन एवं रखरखाव पर जानकारी दी गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से आए अतिथिवक्ताओं द्वारा पेयजल की उपलब्धता, मांग, आपूर्ति जल गुणवत्ता प्रबंधन मुख्यमंत्री जल योजना

स्थायी जल और स्वच्छता सेवा वितरण महत्व पर जानकारी दी गई।

नल–जल योजना में स्वय सहायता समूह द्वारा प्रबंधन एवं संचालन, जल कर की वसूली, आवश्यक दस्तावेजों का संधारण आदि विषयों पर चर्चा एवं जानकारी दी गई । प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। विषय से संबंधित फिल्म का प्रदर्षन किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई ।

अन्त में सभी प्रतिभागियों को संयुक्त आयुक्त महोदय द्वारा प्रमाण–पत्र वितरित किये गये। सत्र संचालन श्रीमति सुधा जैन संकाय सदस्य द्वारा किया गया एवं श्री तल्लीन बडजात्या द्वारा आभार व्यक्त किया गया एवं प्रशिक्षण सत्र का समापन किया गया।

सुधा जैन
संकाय सदस्य

समूह से स्वरोजगार

जिला बालाघाट की जनपद पंचायत लांजी के अन्तर्गत ग्राम ठेमा की स्व–सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अपने घर की बाडी में अमरूद (जाम) की खेती कर अच्छी आमदनी कर रही है। शक्ति आजीविका स्वसहायता की दुर्गा कर्राहे के अनुसार 2017 में 13 महिलओं ने शक्ति आजीविका स्व सहायता समूह की शुरूआत की।

समूह गठन के महिलाओं सिलाई,निरमा साबुन, सेनेटरी पैड बनाने का कार्य कर रही है साथ ही अपने स्वयं की आमदनी बढ़ाने हेतु अपने घरों की बाडियों में 20–20 पौधे थाई अमरूद के लगाये।

छःमाह में ही अमरूद फलना शुरू हो गये फिर अमरूद की बिक्री हाने पर 100 पौधे और लगाये गये इस तरह बाड़ी में अमरूद की खेती प्रारम्भ की गयी। अभी अमरूद से शुद्ध 3000/– की आय प्राप्त होती है एक पेड 40 किलों फल देता है 100 पौधे डेढ़ साल में फल देने लगेंगें तो आमदनी और भी बढ़ जायेगी। अमरूद को बाड़ी में लगाकर बाजारों में बेचना फायदे की खेती साबित हो रही है।

थाई अमरूद की खेती को रोजगार का जरिया बनाकर अपनी स्वयं की आमदनी में वृद्धि करना गांव की बेरोजगार महिलाओं को घर में रोजगार का साधन मिला। इस प्रकार की खेती का शुरूआत हर जिले के स्व सहायता समूहों की महिलाओं को करना चाहियें।

सी.के. चौबे
संकाय सदस्य

बबरिया तालाब क बदली तस्वीर

पेड़ बनने की कगार पर तालाब किनारे रोपे गए पौधे

जिला सिवनी के अन्तर्गत जनपद पंचायत सिवनी की शहर से लगी ग्राम पंचायत मानेगांव (कोहका) के सरपंच रामकिशोर यादव जो एक एम.आर.पी. **(मास्टर रिसोर्स परसन)** भी है। ग्राम पंचायत मानेगांव (कोहका) के अन्तर्गत आने वाले बबरिया तालाब की अपने 5 साल के कार्यकाल बबरिया तालाब के पास वृक्षारोपण –पोल तार से फेसिंग, गेट बनवाकर वाचिंग टावर लगाकर एवं तालाब भूमि में अतिक्रमण हटाकर वृक्षारोपण कराकर तालाब की कायापलट दीं।

प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के कारण मौसम चक्र गड़बड़ा रहा है। ग्लोबल वार्मिग के संकट से देश–दुनिया अलग जूझ रही है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की महती आवश्यकता बन गया है। इसके लिए गंभीर प्रयास नहीं हुए तो आगामी वर्षो में मानव जीवन को भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है हालांकि पहले के मुकाबले पौधरोपण के प्रति जागरूकता आई है। मानसून में जगह–जगह पौधरोपण अभियान चलने लगे हैं। इधर, जिला मुख्यालय से लगी कोहका–मानेगांव ग्राम पंचायत के **सरपंच रामकिशोर यादव** ने भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर सराहनीय कार्य कर दिखाया है। यादव ने 5 साल में 9 हजार से ज्यादा पौधे लगाकर 278 एकड़ में फैले बबरिया तालाब की तस्वीर बदल दी है। उनके द्वारा यहां पौधरोपण व पौधों के बड़े होने तक उनके संरक्षण का क्रम लगातार जारी है। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण को लेकर वर्ष 2017 व वर्ष 2020 में कलेक्टर सिवनी द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। दैनिक भास्कर के पौधे अपने परिजन अभियान में भी सहभागिता करते हुए सरपंच यादव द्वारा बबरिया तालाब किनारे दर्जनों पौधों का रोपण किया गया है। बबरिया तालाब से लगे मानेगांव के रहने वाले सरपंच यादव ने बताया कि सन् 2016 में जब वे सरपंच बने थे, तब बबरिया तालाब की 80 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण था। इस तालाब के 180 एकड़ हिस्से में जलभराव होता है, जबकि शेष भूमि पर अतिक्रमण कर कई लोगों द्वारा खेती की जा रही थी। उन्होंने सरपंच बनने के बाद तालाब को संरक्षित करने, पौधरोपण करने वे फेंसिंग कराने का प्रस्ताव बनाकर तत्कालीन कलेक्टर धनराजू एस से मिले। इसके बाद कलेक्टर ने तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराया। अब पांच साल

पहले के मुकाबले तालाब की पूरी तस्वीर बदल चुकी है। फेंसिंग होने से तालाब की जमीन सुरक्षित हो गई है, वही मूर्ति विसर्जन भी बंद हो गया है। तालाब से 80 एकड़ का कब्जा हटते ही सरपंच यादव ने 3 जुलाई 2016 को एक दिन में तालाब किनारे 2000 पौधे लगवा दिए। जनसहयोग से वृहद वृक्षारोपण का आयोजन कर लगभग 3 सौ लोगों ने ढाई सौ–ढाई सौ मीटर का सेक्टर बनाकर कटहल, अमरूद, बादाम, बहेड़ा, जामुन, पुत्रजीवा,नीम,पीपल,आम, गूलर,अर्जुन आदि के पौधों का रोपण किया, जो अब 10 से 15 फीट तक उंचे हो गए हैं। इसके बाद 2 जुलाई 17 को भी ढाई हजार पौधों का रोपण किया गया। यह क्रम अब भी बना हुआ है और क्षेत्र की आबोहवा काफी बेहतर हो गई है। यादव ने बताया कि वे तालाब किनारे अब तक 9 हजार 3 सौ पौधे लगवा चुके हैं। जिनमें से 89 सौ पौधे जीवित हैं और सैकड़ों पेड़ बन चुके है। दैनिक भास्कर के पौधे अपने परिजन अभियान में भी सरपंच यादव ने उत्साह से सहभागिता करते हुए बबरिया तालाब किनारे कई प्रजातियों के पौधों का रोपण करा चुके हैं। इसी साल 1 अगस्त को तालाब किनारे 51 पौधों का रोपण किया गया था। इससे पर्व 15 जुलाई को 21 पोधे रोपे गए थे। बबरिया तालाब के पास ग्रेवल रोड़ निर्माण, निषाद भवन,वेस्टबियर का निर्माण जनसहयोग जनभागीदारीं विधायक,सांसद निधि मनरेगा अभिसरण से दिया गया। बबरिया तालाब की कायापलट जैसे कार्य मध्यप्रदेश के समस्त ग्राम पंचायतों को नवीन तालाब निर्माण तालाब विस्तारीकरण एवं मनरेगा पार्क बनाकर गांव की तस्वीर बदली जा सकती है, ग्राम पंचयत यह सब कार्य माडल जी.पी.डी.पी. (ग्राम पंचायत विकास योजना) बनाकर विधिवत ग्रामसभा से अनुमोदन कर योजनाओं से अभिसरण कर किया जा सकते है।

सी.के. चौबे,
संकाय सदस्य

स्व–सहायता समूह द्वारा किए गए सराहनीय कार्य

जिला जबलपुर की जनपद पंचायत जबलपुर क्षेत्र के ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूहो द्वारा एक सराहनीय प्रयास किया गया । जिसमे स्वसहायता समूह द्वारा कडी मेहनत से किए गए कार्यो से खुद की आय निर्मित कर समूह के सदस्य आत्मनिर्भर हुए है । एक समय था जब दिवाली के त्यौहार पर सिर्फ चायना के दिए ही देश के बाजार मे बिकते थे । जिससे कोई भी देशी दिए मुकाबला नही कर पाते थे । वही स्व सहायता समूह द्वारा चुनौति को स्वीकार कर यह कार्य कर दिखाया गया । यह कहानी है मयूरी स्व सहायता समूह एवं दुर्गा स्व सहायता समूह की जिसके सदस्य है कल्पना , ममता, ज्योति ,प्रिति , रानू ,विधा ,गीता दीदी की जिन्होने कडी मेहनत से यह सपना साकार किया है । वर्ष 2020 मे स्व सहायता समूह के सदस्यो द्वारा गोबर से दिए बनाकर दिवाली के दिन बनाकर बेचे गए। इस कार्य मे जिला प्रशासन , कलेक्ट्रेट एवं जिला आजिवीका के अधिकारियो का पूर्ण सहयोग रहा । इस कार्य के लिए कीमत रखी गई थी 25 रू मे 10 दिए । जिसे बाजार मे हर किसी ने सराहा और जिसमे 3500 दिए सिर्फ कलेक्ट्रेट के दुकान से ही बेची गई । इस कार्य हेतू महिलाओ द्वारा गोबर से सॉचे द्वारा दिए बनाया गया । दिए पर उच्च गुणवत्तापूर्ण एशियन पेंट से रंगाई कर तैयार किया गया । पेंट करने के पश्चात उसे धूप मे सुखाया गया । जिससे वह पूरी तरह पक सके ।

समूह की दीदीयो द्वारा उस मे तेल डालकर देखा गया । जिससे यह पता चल सके की कही उसमे कोई सुराख तो नही । इसलिए दिए का एक बार प्रयोग कर भी देखा गया ।जिसमे यह पता चल सके की यह दिए तेल सोख तो नही रहे या उसमे कोई त्रुटि तो नही है। तत्पश्चात उसका सफलतम प्रयोग करने के बाद ही उन्होने इस प्रोडक्ट को बाजार मे उतारा जाता है। इस वर्ष देश मे चायना के दिए पर सरकार द्वारा बैन लगा दिया गया था और इस प्रकार से लोगो के अंदर इस दिए के प्रति उत्सुक्ता भी रही क्यो कि यह दिए इको फ्रेन्डली भी है और स्वदेशी भी इसलिए इसे लोगो द्वारा खूब सराहा गया ।

अभिषेक नागवंशी
संकाय सदस्य

जल प्रदाय योजनाएं बेहतर क्रियान्वित होंगी और लंबे समय तक उपयोग की जा सकेगी

मुख्यमंत्री द्वारा जल जीवन मिशन में पूर्ण और प्रगतिरत कार्यो की निरन्तर समीक्षा की जाती है. विगत दिनों मिशन के लाभार्थी ग्रामीण परिवारों से वर्चुअल संवाद में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी से ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों, ग्रामीण परिवार की महिलाओं ने अपने सुखद अनुभव साझा किए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि जल की हर बूँद का कितना महत्व है।

उन्होंने कहा कि मिशन में संचालित जल–प्रदाय योजनाएँ बेहतर क्रियान्वित होंगी और लम्बें समय तक उपयोग की जा सकेगी क्योंकि इनमें हमारी आधी–आबादी की पर्याप्त भागीदारी है। जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल कनेक्शन के जरिए जल उपलब्ध करवाना है। इसके पूरा होने पर परिवार की महिलाओं के चेहरे पर जो मुस्कराहट आती है, वह सरकार द्वारा किए गये विकास कार्यो की शीतल झुआन है। प्रदेश के हर ग्रामीण परिवार को नल से जल मुहैय्या करवाकर हमें अपनी बहन–बेटियों की पानी के लिए लगने वाली मेहनत और समय बचाना है।

प्रदेश ने राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में जल–प्रदाय योजनाओं का कार्य जून 2020 में प्रारम्भ किया था। केन्द्र और राज्य के समान अंश से संचालित मिशन की गतिविधियों में 15 जिले ऐसे हैं जिन्होंने अपने लक्ष्य के विरूद्ध 45 प्रतिशत से अधिक प्रगति अर्जित कर ली है। मिशन संचालन के करीब 19 माहों (जनवरी अंत तक) में प्रदेा के 12 जिलों ने सैकड़ा की संख्या में अपने ग्रामों के शत– प्रतिशत परिवारों को नल कनेक्शन के जरिए जल पहुॅचाने की व्यवस्था की है।

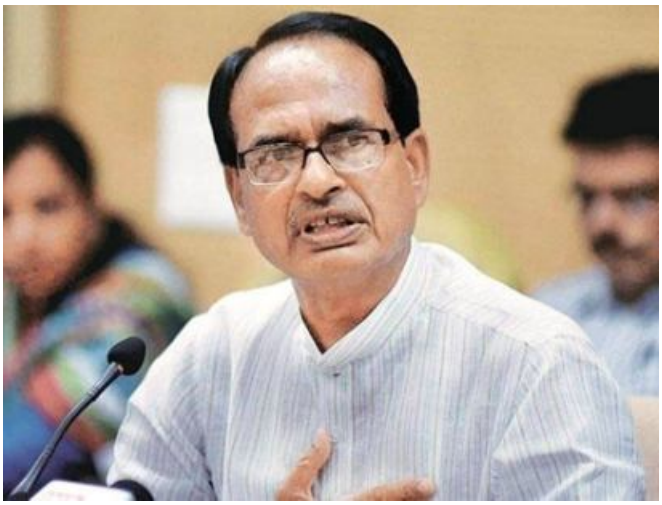

प्रदेश के सभी ग्रामीण परिवारों को उनके घर में ही नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने के लिए कुल एक करोड़ 22 लाख क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन दिए जाने का लक्ष्य है। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन की गाइड–लाइन के अनुसार मिशन के कार्य 2024 तक पूर्ण किए जाना हैं। जल जीवन मिशन में अब तक 46 लाख 24 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाकर प्रदेश ने भी मिशन में निर्धारित अपने लक्ष्य में 37.71 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर ली है। जनवरी माह तक जल–प्रदाय योजना को पूरा कर ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन मुहैय्या करवाने में क्रमशः इन्दौर, राजगढ़,बालाघाट,मण्डला और निवाड़ी जिले अग्रणी रहे है।

गांव में पानी कितने बजे आता है। हर घर को पानी मिल रहा है या नहीं। दिक्कत तो नहीं हो रही है। सभी जल कर दे रहे है या नहीं। यह सब सवाल शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जल जीवन मिशन के हितग्राही केवलारी ब्लॉक के मुनगापार निवासी शरीफ खान से वीड़ियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से किए गए संवाद में पूछे। मुनगापार ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य शरीफ खान ने मुख्यमंत्री को बताया कि गांव में पानी की अच्छी सुविधा हो गई है। सभी जलकर समय पर दे रहे है। योजना का संचालन समिति ही कर रही है।

शरीफ खान ने बताया कि जल ''जीवन मिशन अंतर्गत गांव के सभी घरों में नल कनेक्शन हो जाने से सभी ग्रामीणों को पर्याप्त शुद्ध पानी मिलने लगा हैं। इससे गांव के सभी निवासियों की जल से जुड़ी सभी समस्याओं का निदान हो गया हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम अपनी पूरी क्षमता ओर दक्षता के साथ मिशन में जल–प्रदाय योजनाओं को पूर्ण करने के लिए प्रयासरत हैं। जल जीवन मिशन में पूर्ण जिन जल–प्रदाय योजनाओं से ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जलापूर्ति की जा रही है उनके जल परीक्षण की माकूल व्यवस्था भी की गई है। ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की पांच महिलाओं को समुचित प्रशिक्षण देकर एफ.टी.के. किट के माध्यम से जल परीक्षण करना सिखाया गया है। अब स्थानीय स्तर पर जल की गुणवत्ता का परीक्षण हो रहा है। इसी तरह ग्रामों की नल–जल योजना में आई किसी तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए स्थानीय युवाओं को मोटरपम्प, मेसन, फिटर और इलेक्ट्रिशियन जैसे प्रशिक्षण दिए गये हैं।

सी.के. चौबे,
संकाय सदस्य

फिल्म निर्माण हेतु प्रस्तावित मनरेगा से निर्मित उत्कृष्ट हितग्राही मूलक पौधा रोपण कार्य

कार्य की आवश्यकता –

महात्मा गांधी नरेगा के मूल उद्देश्य के अनुरूप जोबकार्ड धारियों को मांग अनुरूप रोजगार उपलब्ध करना एवं स्थाई परिसंपत्ति का निर्माण पंचायत परिसर की बंजर भूमि को सुंदर और उपजाऊ बनाना।

चुनौतियां –

पोधरक्षक का चयन, पथरीली भूमि पर गद्दे खोदना, पथरीली भूमि पर पेड़ कैसे उगायेंगे, सिचाई हेतु बर्ष भर जल की उपलब्धता।

उक्त चुनौतियों का सामना करने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकासविभाग मध्यप्रदेश शासन की वृक्षारोपण मार्गदर्शिका का सहारा लिया और सफलता मिलती गयी।

कार्य का क्रियान्वयन –

कार्य की सफलता कार्य के क्रियान्वयन पर निर्भर करती है पोधारोपण हेतु स्थल चयन ग्राम सभा से अनुमोदन के पश्चात् व नियमानुसार तकनीकी स्वीकृति एवं प्रशासकीयस्वीकृति प्राप्त कर 2 जुलाई 2017 को 200 पोधा रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया द्य कुल 7 मजदूरों ने दो दिवस में 2'2'2 फुट आकार के 200 गद्दे खोदे और 6 ट्रोली मिट्टीतालाब से लाकर गड्ढो में डाली गयी क्योकि गद्दों में सिर्फ पत्थर निकला था द्य और प्रादेशिक मिशन (सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में एक दिन में 6 करोड़ पोधे रोपने का बिशाल अभियान था)का

भागीदार बनते हुए 2 जुलाई 2017 दिन रविवार को आवला के 107 , गुलमोहर के 35, शीशम के 15, मधुकमिनी के 40 अन्य 6 पोधे शासकीय नर्सरी से क्रय करके रोप गये द्यसिंचाई के लिए प्रत्येक पोधे के साथ मटके गाड़े गयेद्य यही मटके ही पोधो की जीवितता का आधार बने । वर्तमान में 250 से अधिक बृक्ष उत्कृष्ट की गवाही दे रहे है

कन्वर्जेन्स

मनरेगा के साथ पोधरक्षक के होसले का (cost less) अभिसरण किया गया। क्रियान्वयन एजेंसी सरपंच ग्राम पंचायत सैडारा जनपद पंचायत बटियागढ़, व्यक्ति क्रियान्वयन एजेंसी का अद्वितीय सहयोग।

2 जुलाई 2017 कोसुबह 5 बजे से पोधों का रोपण प्रारम्भ किया गया द्य प्रत्येक पोधे के साथ एक एक नीम का बीज रोपा गया ताकि आकस्मिक स्थिति में मृत पोधो की भरपाई की जा सके द्य सिचाई के लिए प्रत्येक पोधे के साथ मटका गाडा गयाद्य पाली बैग्स में 50 पोधो काठनमित`जवबा सदा बनाये रखा द्य ग्राम पंचायत के साथ साथ बस स्टेंड होने के कारण नागरिको का आना जाना लगा रहता है द्य इसलिए गर्मी के दिनों में प्यास बुझाने के लिए सचिव श्री हुकुम सेन ने 10 मटके उपलब्ध कराए , तो निशुल्क प्याऊ चालू कर दी गयी द्य जो बारिश के मोसम की समाप्ति तक चलती रही। प्यासे नागरिक पानी पीकर तृप्त हो जाते तो , रूपये देने लगते द्य लेकिन किसी से भी एक रुपया नही लिया गया। अब पशुओ की प्यास बुझाने के लिए स्वयम के संसाधनों से पेयजल की टंकी का निर्माण भी किया चुका है। इस तरह सामाजिक सरोकारों का आगे आकर निर्वहन किया जा रहा है प्रोजेक्ट के लाभ एवं हितग्राही के जीवन में बदलाव।

पोध रक्षक श्री माखनलाल सपरिवार फसल कटाई, निदाई, तेंदुपत्ता की तुडाई निर्माण कार्यो पर दैनिक मजदूरी करके मोसमी रोजगार करते हुए चिंताग्रस्त और अनिश्चित भविष्य वाला जीवन जिए जा रहे थे बर्ष 2017 में पोध रक्षक श्री माखनलालके उपर 2.60 लाख रूपये का कर्ज था जिसे चुकाने के लिए श्री माखन लाल अपने दो पुत्रो पंचम और मोहन के साथ मजदूरी करने के लिए बाहर जाने का मन बना चुके थे इसी बीच गाँव के ही प्रेरक श्री जीवन काछी के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा से किये जाने वाले पोधारोपन के कार्य की जानकारी मिली। जिसके बारे में सहायक सचिव श्री योगेन्द्र ने विस्तार से समझाया द्य इमानदारी और एक एक रूपये के हिसाब का बिश्वास दिलाया द्य दो बर्ष पूर्व रोपित किये गये पोधे आज बृक्ष बन गये है, जिन पर चड़ा जा सकता है।

पोध रक्षक श्री माखनलाल के प्रथम पुत्र श्री पंचम का विवाह 08 जुलाई 2016 को हुआ द्य श्री पंचम ने शादी को यादगार बनाने की स्वप्रेरणा से ग्राम पंचायत भवन के सामने एक बरगद का पेड़ लगाया जो आज 15 फुट ऊँचा हो गया इसी आधार पर हितग्राही को पोधारोपण हेतु चयनित किया गया द्य उस संकल्प ने आज 800 पोधो की आधारशिला रखी द्य इसी से प्रेरित होकर ग्राम पंचायत सेडारा में11 किसान मनरेगा योजना से निजी खेत में पोधारोपणकर चुके है।

पूर्व एवं पश्चात् विश्लेषण

प्रेरणा का सर्वथा आभाव	पोधारोपन ग्रामीण जन को प्रेरित कर रहा है
अनिश्चित भविष्य	निश्चित भविष्य
मोसमी रोजगार	स्थाई रोजगार
बंजर परिसर	हरियाली से भरपूर परिसर
खुशबु के बारे में सोच भी नही सकते थे	मधुकमिनी की खुशबू फैलने लगी है
अनवरत मिट्टी का कटाव	मिट्टी कटाव रुक गया

पूर्व एवं पश्चात् बिश्लेषण (हितग्राही के परिप्रेक्ष्य में)

पलायन की पृष्ठ भूमि	पलायन का ख्याल ही समाप्त हो गया है
1.25 एकड़ भूमि	2 एकड़ भूमि
2.60 लाख रूपये का कर्ज	53000 ब्याज सहित सम्पूर्ण कर्ज चूका दिया गया है
मोसमी रोजगार	स्थाई रोजगार
अनिश्चित भविष्य	सुनिश्चित भविष्य
निजी जमीन पर सिचाई का साधन केवल कूप	निजी जमीन पर सिचाई का साधन कूप साथ जनइमूमस भी हो गया है।
मजदूरी ही आय का साधन	मजदूरी के साथ साथ फोटोकॉपी की मशीन सहित दुकान भी खोल ली गयी है।

रोजगार गारंटी जोरदार गारंटी है साहब मैं तो यही कहूँगा कि रोजगार गारंटी योजना के कारण हमे परिवार सहित जीने का अधिकार मिल गया। अब इसके पहले तक मै खुद को धरती पर बोझ समझता था, परन्तु अब सच्चे अर्थो में जीवन जी रहा हूं। समाज में हेसियतदार हो गया हूँ, अपने पोधो की जब मै देखभाल कर रहा होता हूँ, तो ऐसा लगता है, मैं अपनी ही देखभाल कर रहा हूँ। हम लोगो के खाते लेंनदेंन के अभाव में बंद हो जाते थे। अब जमीन खरीदने या कर्ज चुकाने के लिए ही बैंक खाते से रूपये आहरित करता हूँ। साहब मैंने बिना ट्यूब टायर के साइकिल चलायी है क्योंकि एक–एक पैसे के लिए मोहताज रहता था, परन्तु अब सोच रहा हूँ कि जल्दी ही मोटर साइकिल खरीद लू। साहब बहुत दिया हैं रोजगार गारंटी ने मुझे इसलिए दिल से निकलता है। जय मनरेगा, जय मनरेगा।

झनक सिंह कुहकुटे,
संकाय सदस्य